देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 248 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
सही तालमेल जरूरी

पेज थ्री

देहरादून, गुरूवार, 11 जनवरी 2024

मौसम अधिकतम 17.0° न्यूनतम 9.0°

71657.71

2 प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ली शपथ

7 टेस्ट के बाद चमके मोहम्मद सिराज

शिंदे गुट ही है असली शिवसेना

महाराष्ट्र में शिवसेना विधायकों की अयोग्यता के फैसले में उद्धव को झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने पिछले काफी दिनों से चर्चा का विषय बने शिंदे गुट के 16 विधायकों की अयोग्यता पर अपना फैसला सुना दिया। इसमें उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बड़ी राहत दी है। नार्वेकर ने उद्धव गुट की उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें यह मांग की गई थी कि शिंदे के साथ पार्टी छोड़कर गए 16 विधायकों को अयोग्य घोषित किया जाए। राहुल नार्वेकर ने कहा कि फैसले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि शिवसेना अध्यक्ष को शिंदे को नेता पद से हटाने का हक नहीं था। उन्होंने कहा की उद्धव ठाकरे की दलील में दम नहीं है। नार्वेकर के फैसले के बाद शिंदे सीएम की कुर्सी पर बरकरार रहेंगे तो वहीं उद्धव ठाकरे को बड़ी हार मिली है।

महाराष्ट्र राज्य विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के 2018 के संशोधित संविधान के अनुसार शिवसेना के नेतृत्व ढांचे पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 2013 और 2019 में नेतृत्व चुनने के लिए शिवसेना में कोई चुनाव नहीं हुआ। इसका कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं।

शिवसेना (यूबीटी) को पहला बड़ा झटका। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शिवसेना के संशोधित संविधान को मानने से इनकार कर दिया, लेकिन पुराने और असंशोधित संविधान के आधार पर ही आदेश देने का फैसला किया।

महाराष्ट्र राज्य विधानसभा ने कहा कि ईसीआई ने पार्टी के रूप में प्रस्तुत और स्वीकार किए गए संविधान पर विचार किया जाएगा, न कि हाल ही में 2018 में किए गए संशोधित संविधान पर। उन्होंने फैसला देते समय संशोधित संविधान पर विचार करने की शिवसेना की मांग को खारिज कर दिया।

महाराष्ट्र राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अपने आदेश में कहा कि निर्विवाद संविधान माना जाएगा न कि 2018 में किया गया संशोधित संविधान। यह संविधाना 1999 का है। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा अध्यक्ष ने सीएम एकनाथ शिंदे समेत 16 शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें अयोग्य ठहराने का कोई वैध आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे ही शिवसेना और पार्टी के असली नेता हैं। शिंदे को डी व्हिप नियुक्त करने का भी अधिकार है।

फैसले के बड़े बिंदु

- पार्टी का संविधान क्या कहता है?
- नेतृत्व किसके पास था?
- विधानमंडल में बहुमत किसके पास था?

आयोग के रेकॉर्ड को बनाया आधार

नार्वेकर ने शिवसेना के संविधान और तमाम दूसरे पहलुओं का उल्लेख करने के बाद अपने फैसले का ऐलान किया। शिवसेना के 16 विधायकों की अयोग्यता के मामले में फैसला लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने नार्वेकर को 10 जनवरी की डेडलाइन दी थी। राहुल नार्वेकर ने अपने फैसले में कहा कि मैंने अयोग्यता के मामले में निर्णय लेते वक्त चुनाव आयोग के फैसले को ध्यान में रखा। नार्वेकर ने कहा कि मैं चुनाव आयोग के फैसले से बाहर नहीं जा सकता था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के रेकॉर्ड में शिंदे गुट ही असली शिवसेना है। नार्वेकर ने कहा कि शिवसेना का 2018 का संविधान मान्य नहीं है, क्योंकि इसके बाद शिवसेना में कोई चुनाव नहीं हुआ। इसलिए पार्टी का आखिरी संविधान 1999 का ही है।

उद्धव को नहीं था अधिकार

महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने कहा कि चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में एकनाथ शिंदे गुट असली शिवसेना है। नार्वेकर ने कहा कि शिवसेना का 1999 का संविधान ही मान्य है। उन्होंने कहा कि संविधान में हुआ संशोधन रेकॉर्ड में नहीं है। नार्वेकर ने आगे कहा कि मैंने चुनाव आयोग के रिकॉर्ड को ध्यान में रखकर फैसला लिया। उन्होंने कहा कि 21 जून, 2022 को हुआ उसे समझना होगा। नार्वेकर ने कहा कि शिवसेना में फैसले लेने के लिए सबसे बड़ी संस्था राष्ट्रीय कार्यकारिणी है। नार्वेकर ने उद्धव अकेले फैसले नहं ले सकते थे। उन्होंने उनके फैसलों को भी गलत करार दिया।

संक्षिप्त समाचार

रामलला समारोह में शामिल नहीं होंगे खरगे और सोनिया गांधी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेता के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस नेता और लोकसभा प्रतिपक्ष नेता अधीर रंजन चौधरी भी इस समारोह में शामिल नहीं होंगे। बता दें कि कांग्रेस ने इस समारोह को भाजपा और आरएसएस का इवेंट बताया है। बता दें कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट की ओर से कई विपक्षी नेताओं को न्योता भेजा गया था।

पूरे उत्तर भारत को मिलेगी शीतलहर से राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। घना कोहरा, शीतलहर और लो विजिबिलिटी पूरे उत्तर भारत को अपने गिरफ्त में ले रखी है। मौसम विभाग के मुताबिक आज से उत्तर पश्चिम भारत में कोल्ड डे से गंभीर कोल्ड डे की स्थिति कम होने वाली है। गलन वाली ठंड से लोगों को राहत मिल सकती है।

आज महिलायें बन रही हैं आत्मनिर्भरः सीएम

सीएम ने आगामी उत्तरायणी पर्व की दी शुभकामनाएं

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को रूद्रपुर में आयोजित नारीशक्ति वन्दन महोत्सव में उमड़े जनसैलाब में उपस्थित मातृशक्ति का आभार व्यक्त कर सभी को आगामी उत्तरायणी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने विभिन्न महिला समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को धरातल पर उतारने का कार्य हो रहा है, वहीं मातृ शक्ति की प्रतिभा और कौशल से देश व दुनिया को परिचित कराने का कार्य भी किया जा रहा है। उत्तराखंड राज्य के निर्माण में मातृ शक्ति द्वारा दिए गए योगदान को कभी नहीं भुलाया नहीं जा सकता, मातृ शक्ति के सहयोग के बिना किसी भी समाज या किसी भी राष्ट्र का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में भी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया था। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर का उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने मातृ शक्ति का आवाह्न किया कि इस शुभ अवसर पर राम दीपोत्सव पर्व मनाने के लिए लोगों को जागरूक करने के प्रयास किये जाएं। 22 जनवरी को हर घर दीप जले, हर मंदिर में भगवान राम का गुणगान किया जाए।

बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और अन्य आवश्यक जरूरतों पर भी सरकार पूरी संवेदनशीलता से काम कर रही है। देशभर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं, महिला स्वयं सहायता समूहों की बहनों ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है।

राज्य में महिलाओं के लिए कई योजनाएं प्रारंभ की

राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही ''मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना'', ''मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना'', ''लखपति दीदी योजना'', ''मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना'', ''नंदा गौरा मातृ वंदना योजना'' और ''महिला पोषण अभियान'' जैसी योजनाएं प्रारंभ की हैं। प्रदेश में पहली बार लैंड जिहाद के खिलाफ कार्रवाई की गई।

शुरू होने से पहले ही राहुल की 'न्याय यात्रा' पर ब्रेक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इंफाल। मणिपुर सरकार ने कांग्रेस को झटका दिया है। राज्य की एन बीरेन सिंह सरकार ने पूर्वी इंफाल जिले के प्रसिद्ध मैदान हफ्ता कांगजेइबुंग से 14 जनवरी को शुरू होने वाली राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इसके बाद मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को यात्रा शुरू करने के लिए वैकल्पिक स्थान की व्यवस्था करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के मेघचंद्र ने इसकी पुष्टि करते हुए बुधवार को कहा, "हमने आज भारत जोड़ो न्याय यात्रा के आयोजन स्थल की अनुमति के संबंध में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने हफ्ता कांगजीबुंग, पैलेस कंपाउंड के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

मेघचंद्र ने कहा, "यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह लोगों के अधिकारों का उल्लंघन है और लोगों के राजनीतिक अधिकारों का भी उल्लंघन है, खासकर मणिपुर के लोगों का। उन्होंने कहा, भले ही सरकार सार्वजनिक स्थल पर यात्रा की अनुमति देने से इनकार करे लेकिन हम निर्धारित कार्यक्रम के लिए एक वैकल्पिक निजी स्थान की व्यवस्था करेंगे।" उन्होंने कहा, आखिरकार यह यात्रा युवाओं के लिए है, महिलाओं के लिए है, किसानों के लिए है, गरीबों के लिए है।

न्याय यात्रा

- मणिपुर सरकार ने मैदान देने से किया इनकार

इम्फाल से शुरू होने वाली थी यात्रा

मणिपुर से मुंबई तक की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को इम्फाल से शुरू होने वाली है। इसका नेतृत्व राहुल गांधी सहित एआईसीसी के वरिष्ठ नेता करेंगे। यात्रा 66 दिनों में 15 राज्यों में 6700 किमी की दूरी तय करते हुए 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। यह यात्रा 110 जिलों, 100 लोस सीटों और 337 विधानसभा सीटों को कवर करेगी।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

दुश्मनों की अब खैर नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हैदराबाद। हर तरह के मौसम में समुद्र से आकाश तक सुरक्षा चुनौतियों के खतरों का मुकाबला करने के लिए स्वदेश निर्मित पहले स्टारलाइनर अननेम्ड ऐरियल विकल (यूएवी) 'दृष्टि-10' भारतीय नौसना जल्द ही अपने सुरक्षा बेड़े में शामिल करेगी। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरिकुमार ने हैदराबाद में स्वदेश निर्मित इस पहले यूएवी का अनावरण करते हुए इसे हासिल किया।

नौसना प्रमुख ने कहा कि हाल के समय में हिंद महासागर से लेकर अरब सागर में समुद्री जहाजों पर लगातार बढ़ते ड्रोन हमलों की चुनौतियों की पहचान कर उन्हें पहले ही ध्वस्त करने में दृष्टि अहम भूमिका निभाएगा। मानव रहित टोही विमान होने के साथ ही विस्फोटक सामाग्रियों के साथ निशाने पर धावा बोलने में सक्षम दृष्टि-10 को मौजूदा सामरिक चुनौतियों के संदर्भ में इसकी अपरिहार्य जरूरत बताते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि समुद्री जहाजों पर बढ़ते हमलों का मुकाबला करने में यह बेहद प्रभावी होगा।

नौसेना की तीसरी आंख बनेगा पहला स्वदेशी यूएवी दृष्टि-10

न्यूज डायरी

पाकिस्तान के पंजाब की जेल में बंद है हाफिज सईद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड और आतंकी संगठन जमात–उद–दावा का चीफ हाफिज सईद पाकिस्तान की जेल में 78 साल की सजा काट रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने बताया है कि सात आतंकी वित्तपोषण मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद हाफिज सईद पाकिस्तान की कैद में है। बीते साल दिसंबर में भारत ने पाकिस्तान से मांग की थी कि वह यूएन में नामित आतंकी सईद को उसे सौंप दे। भारतीय अफसरों ने इसके लिए सईद के मुंबई हमलों समेत आतंकवाद से जुड़े कई मामलों में उसके भारत में वांछित होने का हवाला दिया था। सईद भारत की कई एजेंसियों की वॉन्टेड लिस्ट में शामिल है। हालांकि सईद को देने से पाकिस्तान ने साफ इनकार कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति (सैंक्शन कमेटी) की संशोधित सूचना में कहा गया है कि सुरक्षा परिषद की 1267 अल–कायदा प्रतिबंध समिति द्वारा दिसंबर 2008 में वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया सईद 12 फरवरी 2020 से पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है। वह आतंकवाद से जुड़े सात मामलों में दोषी करार दिए जाने के बाद 78 वर्ष के कारावास की सजा काट रहा है। हाफिज सईद पाकिस्तान में बैठकर ना सिर्फ भारत में आतंक फैलाता रहा है, वह अपनी राजनीतिक पार्टी बनाकर चुनाव भी लड़ चुका है।

जंग के बीच इक्वाडोर में आपातकाल की घोषणा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) क्विटो। दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर इस समय गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है। हाई–प्रोफाइल गिरोह के नेता एडोल्फो फिटो मैकियास के गुआयाकिल की एक जेल से भाग गया है जिसके बाद सोमवार को राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश भर में आपातकाल की घोषणा कर दी है। इमरजेंसी लगने के कुछ ही घंटों बाद देश में विस्फोट, पुलिस अपहरण और जेल में अशांति फैल गई है। राष्ट्रीय पुलिस द्वारा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के अनुसार, नोबोआ की घोषणा के बाद से, तीन अलग–अलग शहरों में कम से कम सात पुलिस एजेंटों का अपहरण कर लिया गया है। इक्वाडोर में हिंसा के बाद पेरू ने उत्तरी सीमा पर आपातकाल की घोषणा की है। इक्वाडोर के सबसे हाई–प्रोफाइल गिरोह के नेता जोस एडोल्फो मैकियास, जिसे श्फिटोश के नाम से भी जाना जाता है, के जेल से भागने से देश में हिंसा शुरू हुई। जारी हिंसा में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। इस बीच इक्वाडोर में चीनी दूतावास 10 जनवरी से अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने आपराधिक समूहों के खिलाफ सैन्य अभियान का आदेश दिया है। हमलावरों द्वारा बंदरगाह शहर गुआयाकिल में टीसी टेलीविजन को निशाना बनाए जाने के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की गई।

गाजा युद्ध बाद इजरायल के साथ रिश्ते सुधारना चाहता है सऊदी अरब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। सऊदी अरब गाजा में युद्ध खत्म होने के बाद इजरायल के साथ बेहतर रिश्ते चाहता है। ब्रिटेन में सऊदी के राजदूत खालिद बिन बंद्र अल सऊद ने बीबीसी के साथ एक साक्षात्कार में ये बात कही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों के रिश्तों में कुछ तनाव है लेकिन गाजा में हमास पर आईडीएफ के युद्ध खत्म करने के बाद सऊदी अरब इजरायल के साथ संबंधों के सामान्यीकरण में रुचि रखता है। हालांकि उन्होंने ये साफ किया कि सऊदी अरब की फिलिस्तीनी स्टेट बनाने की मंग रही है और उस पर वह कायम है। अल सऊद ने कहा, हमारे लिए गाजा विवाद का अंत निश्चित रूप से एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी स्टेट से कम कुछ भी शामिल नहीं था। हम जब अब 7 अक्टूबर के बाद आगे बढ़ रहे हैं तो हम रिश्तों के सामान्यीकरण में विश्वास करते हैं लेकिन यह फिलिस्तीनी लोगों की कीमत पर नहीं होगा। उन्होंने ये भी कहा कि 7 अक्टूबर के हमले से पहले इजरायल और फिलीस्तीन एक समझौते पर पहुंचने के करीब थे। यूके में सऊदी के राजदूत अल सऊद ने कहा कि गाजा की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से आई प्रतिक्रिया कम थी। साथ ही लड़ाई को समाप्त करने और पट्टी पर मानवीय सहायता भेजने के प्रयास अपर्याप्त थे।

सऊदी प्रिंस को तो बस पैसे से मतलब

सवाल

स्मृति इरानी का मदीना में भव्य स्वागत तो पाकिस्तानियों को लगी मिर्ची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। सऊदी अरब के दौरे पर पहुंची भारत सरकार की मंत्री स्मृति इरानी और वी मुरलीधरन ने वहां एक अहम हज समझौता किया है। भारत और सऊदी अरब सरकार के बीच हुए इस समझौते के फायदे नुकसान से ज्यादा चर्चा इस समय स्मृति इरानी के मदीना दौरे की हो रही है। दरअसल ये पहला मौका है जब कोई भारतीय गैर मुस्लिम महिला इस तरह से मदीना गई, उसमें भी वह बिना सिर ढके मदीना गई हैं। इसकी पाकिस्तान के लोग भी खूब चर्चा कर रहे हैं। पाकिस्तानियों का कहना है कि पाकिस्तान भले ही मुस्लिम देश है लेकिन सऊदी के रिश्ते भारत से मजबूत हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई पाकिस्तानियों ने सऊदी के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान की भी आलोचना की है।

पाकिस्तान के जानेमाने पॉलिटिकल कमेंटेटर और यूट्यूबर कमर चीमा ने स्मृति इरानी के दौरे पर कहा है कि सऊदी अरब ने भारत के लिए दरवाजे खोल दिए हैं, वो अब चीजों को बिजनेस के नजरिए से देख रहे हैं। चीमा ने कहा, सऊदी को पैसा और टूरिस्ट चाहिए। सऊदी सरकार भारत को एक मार्किट की तरह देख रही है। मक्का या मदीना में आमतौर पर कोई औरत बिना दुपट्टे के नहीं जाती है लेकिन इरानी गई और ये बहुत मुश्किल उदाहरण बना है। दुनिया के मुसलमानों में इस पर काफी बहस हो रही है लेकिन सऊदी के क्राउन प्रिंस इसे अपनी टूरिस्ट बढ़ाने की पहल की तरह देख रहे हैं, जो उनकी लगातार चल रही कोशिशों का हिस्सा है।

चीमा ने आगे कहा, सऊदी भारत को पाकिस्तान के मुकाबले ज्यादा जगह दे रहा है। इसकी साफ–साफ वजह है कि पाकिस्तान के मुकाबले भारत से ज्यादा लोग हज के लिए सऊदी आएंगे, इससे सीधे–सीधे सऊदी की अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। इंडिया को पौने दो लाख का हज कोटा है और वह कह रहे हैं कि इसे और बढ़ा दीजिए। पाकिस्तान से तो 25 हजार का कोटा भी पूरा नहीं हो रहा है। बीते साल पाकिस्तान का 44 हजार का कोटा था और 7 हजार एप्लीकेशन आईं। इस बार 25 हजार का कोटा था और 4 हजार एप्लीकेशन आईं। ऐसे में पाकिस्तान का कोटा भी इंडिया मांग सकता है ताकि बता सके कि हम ज्यादा बड़ी मार्किट हैं। पाकिस्तान में तो लोग पैसे देना नहीं चाहते लोग, वो तो चाहते हैं कि फ्री हज कराया जाए।

पाकिस्तानियों का कहना है कि हमारा देश सऊदी की निगाह में एक मार्किट नहीं बन पा रहा है। वहीं भारत ने सऊदी को बड़ा बाजार दिखाया है। ऐसे में सऊदी सरकार स्मृति को ये इज्जत दे रही है। चीमा ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने बीते साल जी–20 में प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान को एक दिन रोक लिया था और उनका काफी ज्यादा स्वागत सम्मान किया गया था।

भूटान में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की धमाकेदार जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) थिंपू। भूटान में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने संसदीय चुनाव जीत लिया है। पीडीपी के सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बाद उसके नई सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। पीडीपी, पूर्व प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे की पार्टी है, जिनको भारत समर्थक रुख के लिए जाना जाता है। भूटान ब्रॉडकास्टिंग सर्विस ने मंगलवार को बताया कि पीडीपी ने 47 नेशनल असेंबली सीटों में से 30 सीटें जीती हैं और भूटान टेंड्रेल पार्टी को 17 सीटें हासिल हुई हैं। पीडीपी को जीत के बाद शेरिंग टोबगे दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

भूटान चुनाव में करीब पांच लाख मतदाताओं ने बीटीपी और पीडीपी के 94 उम्मीदवारों में से अपने संसद सदस्यों का चयन किया। पीडीपी और बीटीपी के अलावा बाकी तीन अन्य पार्टियों का चुनाव में सफाया हो गया, जिनमें सत्ताधारी वामपंथी ड्रूक न्यामरूप त्शोग्पा पार्टी भी शामिल थी। 2008 में भूटान में पारंपरिक राजशाही खत्म होने और संसदीय व्यवस्था आने के बाद से देश में यह चौथा आम चुनाव है।

58 वर्षीय टोबगे के दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने की उम्मीद है। वह भूटान की पहली संसद में विपक्ष के नेता थे, जब 2008 में संसदीय व्यवस्था की स्थापना हुई थी। राजनीति में आने से पहले वह सिविल सेवक भी रहे हैं।

इजरायली सेना ने 3 फलस्तीनियों को मारी गोली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीट रीमा। वेस्ट बैंक के एक गांव के सीसीटीवी वीडियो फुटेज इजरायली सेना ने बिना किसी उकसावे के 3 फलस्तीनियों को गोली मार दी, जिसमें 1 की मौत हो गई। पिछले हफ्ते बीट रीमा गांव में हुई घातक गोलीबारी की घटनाओं में इजरायल सैनिक बिना उकसावे के गोलीबारी करते दिखाई दिए। फलस्तीनियों का कहना है कि तीन महीने पहले गाजा में इजरायल–हमास युद्ध शुरू होने के बाद से यहां की स्थिति बेहद खराब हो गई है। इजरायली सेना ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान के तहत सैनिकों ने 28 से 29 दिसंबर, 2023 की रात बीट रीमा में प्रवेश किया। सैनिकों ने उन संदिग्धों पर गोलीबारी की जिन्होंने उन पर विस्फोटक और फायरबम फेंके थे। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करने के बाद, एक सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि सैनिकों ने बताया कि फलस्तीनियों में से एक को जब उसे गोली मारी गई तो वह मोलोटोव कॉकटेल जला रहा था।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ऐतिहासिक चौथे कार्यकाल के लिए ली शपथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। 7 जनवरी को बांग्लादेश के आम चुनावों में सत्तारूढ़ अवामी लीग (एएल) की जीत के बाद, निवर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने ऐतिहासिक चौथे लगातार कार्यकाल के लिए बुधवार को पद की शपथ ली। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हसीना और अन्य नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ संसद अध्यक्ष शिरीन शर्मिन चौधरी ने दिलाई। इसके अलावा समारोह में निर्वाचित निर्दलीय सांसदों और नवनिर्वाचित विधायकों को भी शपथ दिलाई गई।

चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित गजट अधिसूचना के अनुसार, सत्तारूढ़ एएल ने रविवार को हुए चुनावों में

■संसद अध्यक्ष शिरीन शर्मिन चौधरी ने दिलाई शपथ

298 में से 223 सीटें जीतीं, जो 1996–2001 तक देश चलाने के बाद जनवरी 2009 से उनकी पार्टी के लिए लगातार चौथी पाँच–वर्षीय सरकार बनाने के लिए पर्याप्त से अधिक है।

शेख हसीना आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता हैं। परिणाम से पता चला कि स्वतंत्र उम्मीदवारों ने 61 सीटें जीतीं, जबकि जातीय पार्टी को 11 सीटें मिलीं और अन्य एएल सहयोगियों को दो सीटें मिलीं। इसके अलावा, एक अन्य राजनीतिक समूह बांग्लादेश कल्याण पार्टी ने एक सीट हासिल की। मतदान प्रतिशत 41.8 प्रतिशत दर्ज किया गया। पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 225 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल की।

कैबिनेट डिवीजन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, एएल गुरुवार को अपनी नई कैबिनेट बनाएगी। रविवार को बड़े पैमाने पर हिंसा और विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं और समर्थकों की गिरफ्तारी के बीच चुनाव हुए। एएल द्वारा चुनावों की अध्यक्षता के लिए एक स्वतंत्र कार्यवाहक सरकार की उनकी मांगों को खारिज करने के बाद बीएनपी ने चुनावों का बहिष्कार किया। विपक्षी दल ने लोगों से वोट न डालने का भी आह्वान किया था।

नासा का चांद पर इंसानों को भेजने का मिशन टला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने अपने आर्टेमिस कार्यक्रम की लॉन्चिंग को साल 2026 तक के लिए टल गया है। इस मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजना है। नासा के अधिकारियों ने बताया है कि आर्टेमिस III मिशन के तहत, अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार चंद्रमा पर मनुष्यों को उतारने की योजना है। इस मिशन को अब कम से कम सितंबर 2026 तक शुरू नहीं किया जा सकेगा। इससे पहले ये मिशन 2025 के लिए निर्धारित किया गया था। वहीं आर्टेमिस II को इसी साल लॉन्च किया जाना था। अब तकनीकी कारणों से इन दोनों मिशनों को टाल दिया गया है। नासा के अधिकारियों ने बताया है कि इस मिशन को लेकर हम बहुत उत्साह में हैं। पचास से ज्यादा साल बाद आर्टेमिस मिशन के साथ इंसान को चंद्रमा पर भेजने की तैयार है लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि हमें और इंतजार करना पड़ेगा।

Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

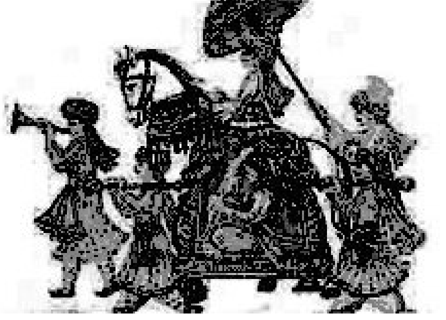

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

108 अन्य ग्राम पंचायतों में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान चलाने का निर्णय

अभियान

92 गांवों व नगरीय इलाकों के 04 वार्डो को टीबी मुक्त घोषित

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सितंबर 2023 में शुरू हुए ''टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान'' के तहत वर्ष 2023 में निर्धारित मानकों पर खरा उतरे जनपद रूद्रप्रयाग के 44 ग्राम पंचायतों के 92 गांवों व नगरीय इलाकों के 04 वार्डो को टीबी मुक्त घोषित किया गया है। इस वर्ष जनपद के 108 अन्य ग्राम पंचायतों में ''टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान'' चलाने का निर्णय लिया गया है।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व नोडल राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम डॉ. विमल गुसाईं ने बताया कि ''टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान'' के तहत अगस्त्यमुनि ब्लाक की 21 ग्राम पंचायतों के 51 गांव, जखोली ब्लाक के 11 ग्राम पंचायत के 15 गांव, व ऊखीमठ ब्लाक की 12 ग्राम पचांयतों के 26 गांव व अगस्त्यमुनि नगर पचांयत के चार वार्डों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है।

उन्होंने बताया कि सितंबर 2023 से जारी अभियान के तहत कम से कम 1000 आबादी वाली ग्राम पंचायतों में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों के छह मानकों की पड़ताल की गई, जिसमें जिला क्षय रोग कार्यालय द्वारा 01 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक की अवधि के मध्य क्रमशः इन छह मानकों 1–प्रति 1000 आबादी पर 30 अधिक बलगम जांच होने, 2–बलगम जांच की धनात्मक दर प्रति एक हजार आबादी पर 01 से कम होने, 3–ग्राम पंचायत में पुराने टीबी रोगियो के पूर्ण ठीक होने की सफलता दर 85 फीसद से अधिक होने, 4–ग्राम पंचायत में मरीजों को दी जा रही दवा की संवेदनशीलता जानने हतु 60 प्रतिशत मरीजों पर दवा संवेदनशीलता की अनिवार्य जांच होने, 5–ग्राम पंचायत में शत प्रतिशत टीबी मरीज नि–क्षय पोषण योजना से आच्छादित होने, 6–ग्राम पंचायत अंतर्गत प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रत्येक टीबी रोगी को पोषण सहायता मिलने की स्थिति को परखा गया।

जिसके पश्चात इन मानकों पर रखी उतरी पंचायतों की सूची को टीबी मुक्त घोषित करने के दावे के साथ पंचायतीराज विभाग को सौंपी गई, विभाग द्वारा इन दावों का निर्धारित मानकों के सापेक्ष पंचायत स्तर पर सत्यापन किया गया। जिसके बाद इन क्षेत्रों को टीबी मुक्त घोषित किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी टीबी मुक्त पंचायत अभियान अनवरत जारी रहेगा, जिसके तहत 108 ग्राम पंचायतों में टीबी मुक्त पंचायत अभियान चलाया जाएगा।

न्यूज डायरी

मौसम ने अचानक बदल ली करवट

संवाददाता हल्द्वानी। हल्द्वानी में बुधवार को मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। तड़के से ही शहर में कोहरा छाया रहा। तापमान में भारी गिरावट आने से कड़ाके की ठंड का प्रकोप शुरू हो गया है। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव जलाकर बैठे रहे। सुबह तापमान 14 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण बुधवार को मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में हल्की बारिश का भी अनुमान जताया गया है। पंतनगर विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह ने बताया की हल्द्वानी में लगभग 5 एमएम बारिश हो सकती है।

सुख दुख से ऊपर की अवस्था है भक्तिः बिजलवाण

संवाददाता ऋषिकेश। चंद्रेश्वर पब्लिक स्कूल शीशम झाड़ी में सत्संग का आयोजन हुआ। इसमें देहरादून से आए ज्ञान प्रचारक राजीव बिजल्वाण ने कहा कि भक्ति सुख–दुख से ऊपर की अवस्था होती है। भक्त और भगवान का मिलन ही भक्ति है। बुधवार को आयोजित सत्संग में राजीव बिजल्वाण ने कहा कि परमात्मा को जानकर भक्त हर समय प्रभु के ध्यान में लीन रहता है। भक्त और भगवान का नाता ब्रह्मज्ञान से जुड़ जाता है। फिर भक्त को सुख–दुख का कोई फर्क नहीं पड़ता। वह हर समय आनंद और सुकून का जीवन जीते हुए भक्ति की अवस्था को प्राप्त करता है। सत्संग सेवा सुमिरन के बिना भक्ति अधूरी है। संतों का संग यानी सत्संग, सेवा, सिमरन करने से मन के विकार दूर हो जाते हैं और यह मन परमात्मा में लग जाता है। जिसने इस संपूर्ण सृष्टि और इंसानों की रचना की है।

यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में की गई सफल सीएबीर्जी

संवाददाता देहरादून। यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने 118 किलो के मरीज की सफल कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) की है। ये सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि मरीज को अन्य बीमारियां थीं, उनकी किडनी में स्टोन था, हाई क्रिएटनीन था, डीजे स्टेंट लगा था, गंभीर ट्रिपल वेसल डिजीज और डायबिटीज थी। प्राइवेसी के चलते मरीज की पहचान को गुप्त रखा गया है। यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की मेडिकल टीम के लिए ये केस काफी अलग था। मशहूर कार्डियोथोरेसिक सर्जन के नेतृत्व में डॉक्टर अखिल कुमार रुस्तगी ने बहुत ही ध्यान से इस पूरे केस को हैंडल किया और तीन ग्राफ्ट के साथ सफलतापूर्वक सीएबीजी की। यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में सीटीवीएस में हेड डॉक्टर अखिल कुमार रुस्तगी ने कहा कि इस सर्जरी की सफलता यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की मेडिकल टीम के कौशल और समर्पण को दिखाती है।

मांस की अवैध दुकानों को बंद कराने के लिए प्रदर्शन

संवाददाता हरिद्वार। नगर निगम क्षेत्र में अवैध मांस की दुकानों पर कार्रवाई को लेकर बुधवार को देवभूमि भैरव सेवा संगठन ने नगर निगम परिसर में प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सहायक नगर आयुक्त का घेराव किया। साथ ही ज्वालापुर में मांस की दुकानों पर कार्रवाई न होने पर नगर निगम के कर्मचारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया।

देवभूमि भैरव सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चरणजीत पाहवा ने 22 जनवरी को सभी मांस को दुकानों को बंद कराने की मांग की। उन्होंने कहा यदि जनवरी में नगर निगम क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही मांस की दुकानों को बंद नहीं किया गया तो भैरव सेवा संगठन नगर निगम में तालाबंदी करेगा।

जिला उपाध्यक्ष विशुत्व चौहान ने कहा कि यदि नगर निगम प्रशासन अवैध मांस की दुकानों को बंद कराने में सक्षम नहीं है तो हम स्वंय बंद कराएंगे। प्रदर्शनकारियों ने सहायक नगर आयुक्त से 22 जनवरी श्रीराम मंदिर शिलान्यास के दिन सभी मांस की दुकान बंद करने की मांग भी की। सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद ने बताया कि इस विषय पर बैठक कर जल्द ही आगे की कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। इस मौके पर सौरभ चौहान, विक्की, अनिल सैनी, श्याम सुंदर शर्मा, सचित, सतेंद्र, संजय मेहता, दीपक साहनी, अंबरीश, हर्ष कुमार, प्रिंस प्रजापति, चीनू, मुकेश गुप्ता, सन्नी आदि मौजूद रहे।

छात्रों और कैडेट्स को सेना में जाने की प्रेरणा दी

संवाददाता उत्तरकाशी। भारतीय थल सेना दिवस से पूर्व सीमान्त क्षेत्र हर्षिल में तैनात सेना की यूनिट द्वारा राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। साथ ही छात्रों और एनसीसी कैडेटों को सेना में जाने के लिए प्रेरित किया। आयोजित कार्यक्रम में राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी, जीजीआईसी उत्तरकाशी, राजकीय महाविद्यालय उत्तरकाशी के एनसीसी कैडेटों और छात्रों ने प्रतिभाग किया स इंडियन आर्मी यूनिट हर्षिल के गैलेंटरी अवार्ड विनर सूबेदार मगर सिंह ने छात्र–छात्राओं और एनसीसी कैडेटों को सेना में जाने को प्रेरित किया और भारतीय सेना के पराक्रम से अवगत कराया स कार्यक्रम में सीईओ अमित कोटियाल ने छात्रों से राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने को प्रेरित किया स बीईओ हर्षा रावत छात्रों को बहादुर सैनिकों से प्रेरणा लेने को कहा और नशे की लत से दूर रहने की अपील की स इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी कैप्टेन एलपीएस परमार ने कैडेटों का मार्गदर्शन किया।

18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर निर्वाचक नामावली में जुड़े 3480 नए मतदाता

संवाददाता चमोली। निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप जनपद चमोली में फोटोयुक्त विधानसभा निर्वाचक नामावली का विशेष पुनरीक्षण का कार्य लगभग पूरा हो गया है। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 7779 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। इसमें 3480 नागरिक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर पहली बार मतदाता बने है। वहीं स्थान परिवर्तन, मृत्यु और अन्य कारणों से 5462 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए है। इसके अतिरिक्त जनपद में 10412 सर्विस वोटर पंजीकृत है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 जनवरी,2024 को किया जाएगा।

निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण

चमोली में मतदाताओं की संख्या बढ़ी

कार्यक्रम के दौरान 04–बद्रीनाथ विधानसभा में 2620 नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। इसमें 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 1278 नए मतदाता शामिल है। जबकि स्थान परिवर्तन एवं अन्य कारणों से 2454 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र में कुल 52145 पुरुष, 49429 महिला तथा 03 थर्ड जेंडर सहित कुल 101577 मतदाता पंजीकृत है।

05–थराली विधानसभा में 2961 नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। इसमें 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 1152 नए मतदाता शामिल है। जबकि स्थान परिवर्तन एवं अन्य कारणों से 1808 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। थराली विधानसभा क्षेत्र में 52952 पुरुष, 50079 महिला तथा 01 थर्ड जेंडर सहित कुल 103032 मतदाता पंजीकृत है।

06–कर्णप्रयाग विधानसभा में 2198 नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। इसमें 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 1050 नए मतदाता शामिल है। जबकि स्थान परिवर्तन एवं अन्य कारणों से 1200 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। कर्णप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में 47071 पुरुष, 46799 महिला सहित कुल 93870 मतदाता पंजीकृत है। आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 जनवरी को किया जाएगा।

आयुष क्रिकेट एकेडमी ने जीता उद्घाटन मुकाबला

संवाददाता रायवाला। आयुष क्रिकेट एकेडमी छिद्दरवाला में तीसरी डीडी मेमोरियल अंडर–16 क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में आयुष क्रिकेट एकेडमी ने ब्राइट फ्यूचर को आठ विकेट से हराया।

बुधवार को आयुष क्रिकेट एकेडमी छिद्दरवाला में तीसरी डीडी मेमोरियल अंडर–16 क्रिकेट का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विजय प्रताप मल ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की नसीहत दी। कहा कि वर्तमान में क्रिकेट में करिअर की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। आयुष क्रिकेट एकेडमी के संस्थापक विक्रम देशवाल ने कहा कि प्रतियोगिता में अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी, बारू स्पोर्ट्स क्लब, दून बलूनी, राइजिंग स्टार, दून इंडिया, पुरोहित क्रिकेट एकेडमी, निम्बस क्रिकेट एकेडमी सहित कुल 20 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

विचार-प्रवाह

देहरादून, गुरूवार, 11 जनवरी 2024

पेज थ्री
www.page3news.in

सही तालमेल जरूरी

एआई का गैर–जिम्मेदाराना इस्तेमाल कई तरह के खतरों को जन्म दे रहा है, जो आखिरकार एआई की ग्रोथ की रफ्तार को भी प्रभावित करेगा। ध्यान रहे, टेक्नॉलजी डिवेलपर्स हों या उनके क्लाइंट्स, इन दोनों का आचरण नैतिक बना रहे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार की ही होती है।

हिमानी वर्मा।।

आजकल दुनिया भर में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से बनती उम्मीदों और आशंकाओं का ग्राफ जिस तेजी से चढ़ता जा रहा है, उससे साफ है कि अपने देश में भी इसके लिए अलग से एक मंत्रालय गठित करने का वक्त आ गया है। इसके अलग–अलग पहलुओं की पड़ताल करते हुए इस जरूरत की अहमियत को बेहतर ढंग से महसूस किया जा सकता है।

आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में एआई का बढ़ता दखल इस बात का सबूत है कि लोग इससे अच्छे–बुरे ढंग से प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में एआइ को जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। ध्यान रखने की बात यह है कि इस दिशा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के प्रयास आम लोगों की आकांक्षाओं और आशंकाओं के अनुरूप होने चाहिए। एक स्वतंत्र और समर्पित मंत्रालय नए बनते कानूनों की कमियां दूर करते हुए इस प्रक्रिया को आसान बना सकता है।

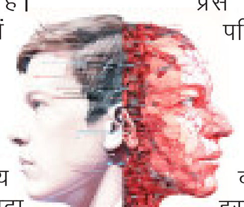

एक अहम पहलू सामरिक क्षेत्रों में एआई के इस्तेमाल का है। दूसरे देशों या नॉन स्टेट ऐक्टरों की अवांछित गतिविधियों से बचाव का काम सरकार के ही निर्देशन में चल सकता है। अलग मंत्रालय से न केवल इस कार्य को ज्यादा तवज्जो मिल सकेगी बल्कि इससे टेक्नॉलजी के विकास के अनुकूल माहौल बनाने में भी मदद मिलेगी। इसी से भविष्य में जेनरेटिव एआई से भी ज्यादा ताकतवर तकनीक की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

तकनीक के नए चरण का विकास कितना नाजुक मसला है, यह UAE के एआई मामलों के मंत्री उमर अल ओलामा की बातों से साफ होता है। वह बताते हैं कि कैसे टेक्नॉलजी से डर और प्रिंटिंग प्रेस के ओवर रेग्युलेशन ने पश्चिम एशिया को करीब 200 वर्षों तक इस फील्ड में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से दूर रखा।

यह बात भी है कि एआई का गैर–जिम्मेदाराना इस्तेमाल कई तरह के खतरों को जन्म दे रहा है, जो आखिरकार एआई की ग्रोथ की रफ्तार को भी प्रभावित करेगा। ध्यान रहे, टेक्नॉलजी डिवेलपर्स हों या उनके क्लाइंट्स, इन दोनों का आचरण नैतिक बना रहे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार की ही होती है।

अभी एआई को लेकर सरकार के रेस्पॉन्स की अगुआई नीति आयोग कर रहा है। चाहे नई टेक्नॉलजी को टेस्ट करने की बात हो या उसके लिए अनुकूल इकोसिस्टम बनाने की, दोनों काम उसी के जिम्मे हैं। लेकिन ये दोनों काम बेहतर ढंग से अंजाम दिए जा सकते हैं अगर एक स्वतंत्र मंत्रालय के सुपुर्द कर दिए जाएं, जहां न केवल एक निश्चित बजट होगा बल्कि ज्यादा लोग भी जुड़े होंगे। समझना होगा कि भारत जैसी बड़ी इकॉनमी वाले देश में एआई के लिए एक निर्धारित रास्ता सुनिश्चित करने की जरूरत है और इस काम को अंजाम देने वाली संरचना जितनी जल्दी बना दी जाए, भविष्य के दुष्परिणामों को रोकना उतना आसान होगा।

तांत्रिक विद्या

धर्म-दर्शन

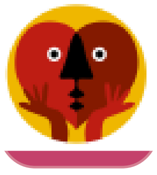

अशोक वोहरा। अधिकतर यह माना जाता है कि यह तांत्रिक विद्या के लिए कार्य करता है। उल्लू के बारे में देश–विदेश में कई तरह की विचित्र धारणाएं फैली हुई है। अधिक संपन्न होने के चक्कर में लोग दुर्लभ प्रजाति के उल्लुओं के नाखून, पंख आदि को लेकर तांत्रिथक कार करने हैं। कुछ लोग तो इसकी दीपावली की रात को बलि भी चढ़ाते हैं जिसके कारण इस पक्षी पर संकट गहरा गया है। हालांकि ऐसे करने से रही सही लक्ष्मी भी चली जाती है और आदमी पहले से अधिक गहरे संकट में फंस जाता है। जब पूरी घ्दुनिया सो रही होती है तब यह जागता है। यह अपनी गर्दन को 170 अंश तक घुमा लेता है। यह रात्री में उड़ते समय पंख की आवाज नहीं निकालता है और इसकी आंखें कभी नहीं झपकती है। उल्लू का हू हू हू उच्चारण एक मंत्र है।

संपादकीय

दिखा बड़ा बदलाव

राजनीति के लिहाज से देखें तो 2022 में भी राजनीति में बड़ा बदलाव ये दिखा कि दिल्ली नगर निगम पर भी आप ने कब्जा कर लिया। बीते 15 साल से बीजेपी, नगर निगम की सत्ता में काबिज थी। हालांकि इससे पहले नगर निगम तीन हिस्सों में बंटी हुई थी और तीनों ही जगह बीजेपी काबिज थी। लेकिन चुनाव से ऐन पहले इसके मर्जर का फैसला लिया गया। लिहाजा नगर निगम के चुनाव कुछ महीने लेट हुए। लेकिन चुनाव होने के बाद बीजेपी को नगर निगम में भी हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से दिल्ली विधानसभा के बाद आप ने दिल्ली नगर निगम में भी जीत हासिल कर ली। ये एक तरह से बीजेपी के लिए बड़ा झटका था। उधर कांग्रेस को भी निगम चुनाव में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली। साढ़े नौ फीसदी वोटों के साथ वह महज नौ वार्डों में ही कामयाबी हासिल कर सकी। इस चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी में तो संगठन के स्तर पर कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ लेकिन कांग्रेस और बीजेपी के दोनों ही प्रदेशाध्यक्षों को अपना पद गंवाना पड़ा। कांग्रेस के अनिल चौधरी की जगह अरविंदर सिंह लवली को अध्यक्ष बनाया गया जबकि बीजेपी में आदेश गुप्ता की जगह वीरेन्द्र सचदेवा को पार्टी की कमान दी गई।

दिल्ली में राजनीतिक उठापटक के बीच अगले साल में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव अगर होगा तो वह आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का मिलकर चुनाव लड़ने का होगा।

आप और कांग्रेस का हाथ मिलेगा?

गुलशन राय खत्री।।

2023 की तरह भी क्या 2024 में दिल्ली की राजनीति में कोई नया बदलाव देखने को मिलेगा या फिर दिल्ली अपनी पुरानी राह पर ही आगे बढ़ती नजर आएगी? राजनीतिक लिहाज से दिल्ली में 2024 में लोकसभा चुनाव तो होंगे ही लेकिन उसके साथ ही इन चुनावों से एक साल से भी कम समय में दिल्ली में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में दिल्ली की राजनीति के लिए 2024 अहम वर्ष साबित हो सकता है।

दिल्ली में राजनीतिक उठापटक के बीच अगले साल में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव अगर होगा तो वह आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का मिलकर चुनाव लड़ने का होगा। राष्ट्रीय स्तर पर भले ही दोनों पार्टियों के बीच मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ने पर सहमति बनी हो लेकिन दोनों पार्टियों के सामने बड़ी चुनौतियां भी हैं। पहली चुनौती तो दोनों के बीच सीटों पर सहमति बनाने पर होगी और दूसरी जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाने और वोट ट्रांसफर कराने की। जाहिर है कि आप चाहेगी कि वह अधिक सीटों पर लड़े और कांग्रेस कम सीटों पर। इसके लिए आप का तर्क होगा कि इसी साल नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की हालत कोई बेहतर नहीं रही है और उसकी पार्टी के महज 9 पार्षद ही जीत सके। लेकिन कांग्रेस इसके

जवाब में लोकसभा चुनाव के नतीजों का तर्क देना चाहेगी, जहां वह न सिर्फ 2014 बल्कि 2019 में भी दूसरे नंबर पर रही है और उसने आप के मुकाबले चार फीसदी अधिक वोट हासिल किए थे। ऐसे में 2024 में दिल्ली की राजनीति की चाल इस पर निर्भर करेगी कि दोनों के बीच सीटों की संख्या को लेकर 'दिल' से कितनी सहमति बनती है।

बीते दो लोकसभा चुनाव में सातों सीटों पर जीत हासिल करती आ रही बीजेपी, भले ही इस बार भी मोदी चेहरे की उम्मीद में हो लेकिन अगर आप और कांग्रेस के बीच सीटों का सहमति से बंटवारा हो गया तो ये दोनों पार्टियां ही बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती बन जाएंगी। हालांकि बीजेपी नेता ये दावा करते रहे हैं कि 2019 में उसने 56 फीसदी से अधिक वोट हासिल किया था इसलिए अगर आप और कांग्रेस मिलकर भी चुनाव लड़ेंगे तो उनके मुकाबले बीजेपी का वोट 50 फीसदी से अधिक है। ऐसे में उसके लिए दोनों पार्टियां मिलकर भी चुनाव लड़ें तो भी चिंता की बात नहीं है। लेकिन बीजेपी के लिए ये चिंता इसलिए हो सकती है, क्योंकि अगर इसी साल निगम चुनाव के आंकड़े देखें तो बीजेपी को महज 39 फीसदी वोट मिले जबकि कांग्रेस और आप के वोट मिला दें तो वह आंकड़ा 51 फीसदी का बैठता है। ऐसे में अगर आप और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो दिल्ली की राजनीति एक नई राह पर आगे बढ़ सकती है और इसके नतीजों का असर फरवरी 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी नजर आ सकता है।

सूडोकू नवताल-5332

सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -5331 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

अपना ब्लॉग

हिफाजत नहीं, मुसीबत

मोहन। सो, चाहे पिता के जीवन को किसी तरह का खतरा हो या बहन के साथ छेड़छाड़ का मसला, वह इसे अपनी ड्यूटी मान लेता है और उसे पूरा करते हुए किसी भी हद तक चला जाता है। बहन के कॉलेज जाकर उन लड़कों की शिनाख्त करना, बंदूक से गोलियां बरसाना और मोटर साइकल से भागते उन लड़कों का पीछा करके उन्हें अपनी गाड़ी से टक्कर मार–मारकर गिराते हुए घायल कर देना। सब उसके लिए बहन को प्रोटेक्ट करने की ड्यूटी का हिस्सा है। यही इस किरदार का मूल कैरेक्टर है। यही इस फिल्म का प्रमुख आकर्षण है और यही इसकी सबसे बड़ी समस्या भी है। अपनों को हर हाल में प्रोटेक्ट करने का यह मूल्य दूसरों में भी यह सहज इच्छा जगाता है कि वे उसके 'अपनों' के दायरे में आ जाएं। यही चीज इस किरदार को पसंद करने की बड़ी वजह बन जाती है।

बिलकिस बाना केस पर फिल्म बनानी चाहती हैं कंगना रनोट

बिलकिस बानो केस को लेकर इस समय चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर बड़ा फैसला सुनाते हुए 11 दोषियों की रिहाई को खारिज कर दिया है। बिलकिस बानो केस को लेकर अब हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस कंगना रनोट ने फिल्म बनाने को लेकर इच्छा जाहिर की है, लेकिन इस दौरान एक्ट्रेस के सामने कई अड़चन आ रही हैं।
लंबे समय से बिलकिस बानो केस चर्चा के मुद्दा बना रहा है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से आए फैसले के बाद से अब बिलकिस बानो केस में एक नया मोड़ आ गया है। इस बीच इस मामले को लेकर तेजस एक्ट्रेस कंगना रनोट ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर ट्वीट किया है। इस ट्वीट में कंगना ने बिलकिस बानो केस पर फिल्म बनाने को लेकर अपनी राय रखी है। अदाकारा ने बताया है कि वह केस पर फिल्म बनानी चाहती हैं और तीन सालों से वह इस मुद्दे की स्क्रिप्ट पर काम भी कर रही हैं, लेकिन तमाम ओटीटी प्लेटफॉर्म से संपर्क करने के बाद भी किसी न किसी वजह से उनके सामने अड़चन आ रही हैं, जिसकी वजह से इस फिल्म का काम बीच में रोका हुआ है। इस तरह से कंगना रनोट ने बिलकिस बानो केस पर फिल्म बनाने को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा नहीं बनना चाहते थे एक्टर

अमिताभ बच्चन के नाती और श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य नंदा ने जोया अख्तर की फिल्म श्द आर्चीजश (जेम ।तबीपमे) से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस को मिला–जुला रिस्पॉन्स मिला। हाल ही में, अगस्त्य नंदा ने बताया कि वह पहले अभिनेता नहीं बनना चाहते हैं। 23 साल के अगस्त्य नंदा ने एक हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया है कि एक्टिंग उनकी पहली च्वॉइस नहीं थी। बाद में उन्होंने कैसे अपने पहले सपने को त्याग कर एक्टिंग की ओर रुख किया और कैसे उन्हें जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज मिली, अमिताभ के नाती ने इस बारे में बात की है। जूम के साथ बातचीत में अगस्त्य नंदा ने बताया कि पहले वह अपने पिता निखिल नंदा की तरह बिजनेसमैन बनना चाहते थे। हालांकि, बाद में उन्हें एक्टर बनने का चस्का लगा।

अपनी इस बुरी आदत को लेकर परेशान हैं कोंकणा सेन शर्मा

मनोज बाजपेयी के साथ वेब सीरीज किलर सूप में नजर आने वाली कोंकणा सेन शर्मा इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस में शुमार हैं। मौजूदा समय में कोंकणा सेन किलर सूप के प्रमोशन में बिजी हैं। इस दौरान अदाकारा ने अपनी एक बुरी आदत को लेकर खुलासा किया है और इस छोड़ने के लिए कहा है। ऐसे में आइए इस लेख में जानते हैं कि रणबीर कपूर की वेक अप सिड फिल्म एक्ट्रेस कोंकणा ने किस बुरी आदत का जिक्र किया है। इन दिनों कोंकणा सेन शर्मा और मनोज बाजपेयी का नाम वेब सीरीज किलर सूप को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस अक्सर एक न एक नया खुलासा कर रही हैं। हाल ही में कोंकणा सेन शर्मा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को एक लेटेस्ट इंटरव्यू को दिया है। इस दौरान कोंकणा से उनकी एक बुरी आदत को लेकर सवाल पूछा गया है, जिस पर अदाकारा ने कहा है– मेरी एक बुरी आदत के बारे में बात की जाए तो वह सिगरेट पीना है। हालांकि मैं कोई ज्यादा मात्रा में स्मोकिंग नहीं करती हूं, लेकिन फिर भी मैं अपनी इस बुरी आदत को अब नहीं चाहती और इसे हर हाल में छोड़ना चाहती हूं। इसके अलावा कोंकणा सेन शर्मा ने उनकी लाइफ में से सबसे बुरे दौर को हटाने के बारे में पूछा गया, जिसको लेकर श्किलर सूप एक्ट्रेस ने बताया है कि वह अपनी लाइफ में उस समय को हटाना चाहती हैं, जब वह 3 महीने के लिए बेड रेस्ट पर थीं। ये दौर उनके जीवन के सबसे खराब दौर में से एक था।

बहन आइरा खान की शादी में इमरान ने चुरा ली लाइमलाइट

आमिर खान अपनी लाडली आइरा खान की शादी धूमधाम से कर रहे हैं। पहले मुंबई में रजिस्टर्ड मैरिज हुई। अब पूरा परिवार और दोस्तों का कुनबा उदयपुर पहुंचा हुआ है। यहां पर प्री–वेडिंग फंक्शन चल रहे हैं। 8 जनवरी को मेहंदी सेरेमनी हुई और फिर इसी दिन शाम को पजामा पार्टी में सबने जमकर हल्ला मचाया। 9 जनवरी यानी कि आज संगीत सेरेमनी होगी, जिसमें आमिर अपनी बेटी और दामाद नूपुर शिखरे के लिए परफॉर्म कर सकते हैं। खैर। इस बीच आइरा की मेहंदी सेरेमनी से आमिर के भांजे इमरान खान की फोटो वायरल हो रही है, जिसमें वो रूमर्ड गर्लफ्रेंड लेखा वॉशिंगटन संग पोज दे रहे हैं।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लेखा संग हर फंक्शन कर रहे हैं अटेंड
आइरा खान की शादी का फंक्शन अटेंड करने के लिए इमरान खान भी उदयपुर पहुंचे हैं, लेकिन अपनी लेडीलव लेखा वॉशिंगटन के साथ। इनकी फोटो इंटरनेट पर छाई हुई हैं। फैंस सवाल पूछ रहे हैं कि क्या 40 साल के इमरान खुद से 4 साल छोटी गर्लफ्रेंड से शादी रचाएंगे, जैसे अरबाज खान ने की है! जब मुंबई में आइरा और नूपुर शिखरे की रजिस्टर्ड मैरिज हुई थी, तब भी इमरान रूमर्ड गर्लफ्रेंड लेखा के साथ ही शरीक हुए थे। ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों लिव–इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं।

स्क्रीन से दूर हैं इमरान

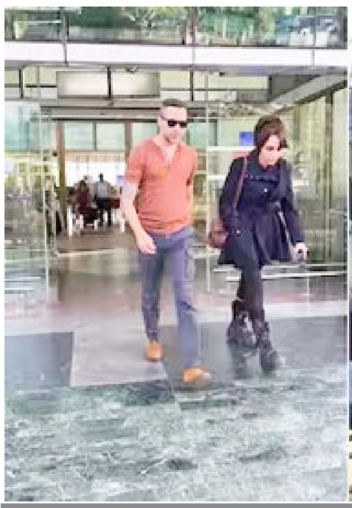

इमरान ने बॉलीवुड में जाने तू... या जाने ना फिल्म से कदम रखा था। उनके डैशिंग लुक और चॉकलेटी ब्वॉय वाली इमेज पर लड़कियां मर–मिटी थीं। फिर उन्होंने की फिल्मों में काम किया। जैसे– मेरे ब्रदर की दुल्हन, आई हेट लव स्टोरी और कट्टी बट्टी सहित कई और फिल्में। लेकिन उनके करियर का ग्राफ बढ़ने की बजाय घटता चला गया। धीरे–धीरे वो भी स्क्रीन से दूर हो गए। हालांकि, अब सोशल मीडिया के जरिए वो फैंस से जुड़े हैं और उनके फैंस चाहते हैं कि वो जल्द से जल्द कमबैक करें।

एक बेटी के बाप हैं इमरान
इमरान जब 19 साल के थे, तभी उन्होंने अवंतिका मलिक को डेट करना शुरू किया था। दोनों ने साल 2010 में शादी भी कर ली। एक बेटी भी हुई। लेकिन वक्त के साथ इनके रिश्ते में दरार आ गई। शादी के 8 साल बाद 2019 में दोनों ने अलग रहना शुरू कर दिया। अवंतिका अपनी बेटी संग इमरान का घर छोड़कर चली गईं।

कौन हैं लेखा वॉशिंगटन?
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लेखा साउथ एक्ट्रेस हैं। वो तमिल और तेलुगू मूवीज में काम करती हैं। आप शायद ही जानते होंगे कि साल 2004 में रिलीज हुई श्युवाश फिल्म में उनका कैमियो भी था। वो इमरान के साथ भी काम कर चुकी हैं। साल 2010 में रिलीज हुए श्मटरू की बिजली का मनडोलाश में भी उनका कैमियो था।

यश ने शूटिंग छोड़ मृतक फैंस के परिवार से की मुलाकात

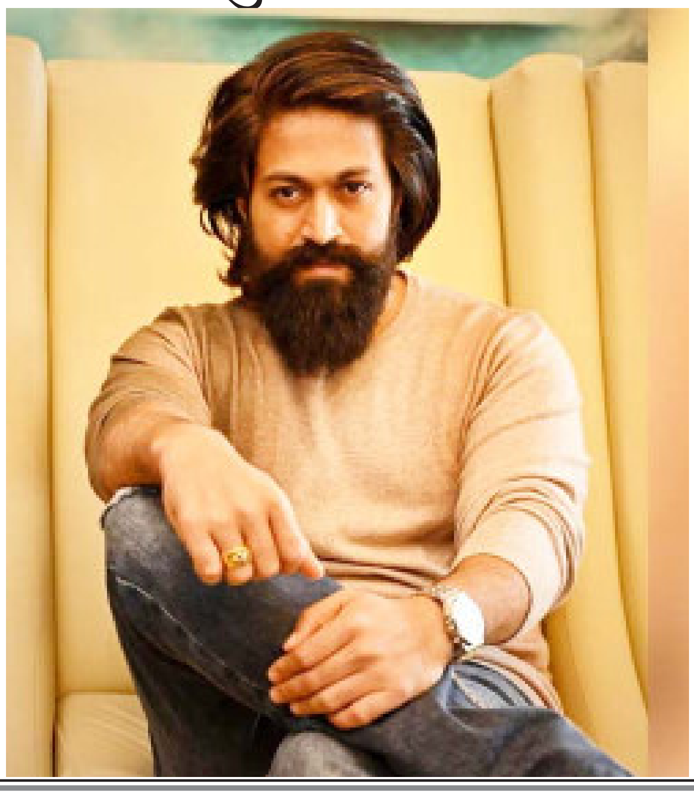

साउथ एक्टर यश अपने मृतक फैन्स की आर्थिक मदद करेंगे। उन्होंने इस बात की घोषणा की है। उन्होंने तीनों के परिवारवालों से मुलाकात की और फिर मीडिया से बात की। कहा कि वह चाहते हैं कि उनके फैन्स कोई भी ऐसा काम उन्हें खुश करने के लिए न करें। क्योंकि घर पर उनके माता–पिता भी हैं। वह इंतजार कर रहे हैं। जान जोखिम में न डालें।

यश ने अपने फैन्स को दी सलाह
यश ने आगे कहा, कृपया अपना प्यार इस तरह मत दिखाओ। मैं आप सभी से निवेदन करना चाहता हूं। बैनर न लटकाएं, बाइक का पीछा न करें और खतरनाक सेल्फी न लें। मैं बस ये चाहती हूं कि मेरे सभी दर्शक और फैन्स अपने जीवन में आगे बढ़ें। अगर आप मेरे सच्चे फैन हैं, तो अपना काम पूरी लगन से करें, अपना जीवन अपने लिए समर्पित करें और खुश और सफल रहें। आप ही हैं जो अपने परिवार के लिए सब कुछ हैं, आपका उद्देश्य उन्हें गर्व महसूस कराने का होना चाहिए।

यश का बैनर लगाते वक्त 3 की मौत
कर्नाटक में यश के 38वें जन्मदिन पर उनका 25 फीट का कटआउट लगाते समय उनके तीन फैन्स बिजली की चपेट में आ गए। मरने वालों की पहचान हनमंता हरिजन (21), मुरली नदाविनमणि (20), नवीन गाजी (19) के रूप में की गई है। तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए लक्ष्मेश्वर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यश ने फैन्स से की अपील
यश ने आगे कहा, मुझे अपने फैन्स के प्यार का प्रदर्शन करके पॉप्युलैरिटी का ढोंग करना पसंद नहीं है। मेरे फैन्स भले इससे नाराज हों, लेकिन मैं अब ये सब एकदम कम रखूंगा। मेरा इरादा किसी को निराश करना नहीं है। अगर आप मेरा सम्मान करते हैं, तो पहले जिम्मेदार बनें। घर पर माता–पिता आपका इंतजार कर रहे हैं। क्योंकि आपके जाने का मौल पैसों से नहीं लगाया जा सकता। आर्थिक मदद आपकी कमी पूरी नहीं कर सकता। हम मृतकों को वापस नहीं ला सकते।

इसलिए यश ने नहीं मनाया जन्मदिन
यश ने पहले एक्स पर एक पोस्ट के जरिए फैन्स को बताया था कि वह अपने जन्मदिन पर उनसे नहीं मिल पाएंगे क्योंकि वह दूर रहेंगे। इस खास दिन का जश्न नहीं मनाने की असली वजह का खुलासा करते हुए एक्टर ने कहा, इस साल, मैं अपना जन्मदिन नहीं मनाना चाहता था क्योंकि कोविड–19 के मामले बढ़ रहे हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल का काल है ये इंजेक्शन, नसों से निकाल फेंकेगा गंदे पदार्थ

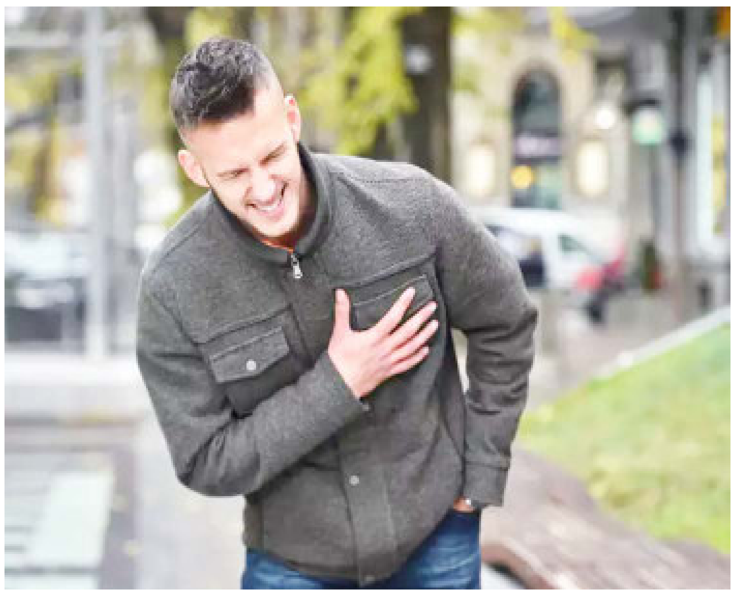

100 एमजी/डीएल आ जाएगा कोलेस्ट्रॉल
ट्रायल में देखा गया है कि इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का लेवल 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है और फिर से 100 एमजी/डीएल के सामान्य स्तर पर लाया जा सकता है। इस इंजेक्शन का नाम Inclisiran है, जिसकी कीमत 1.25 लाख से 1.5 लाख रुपये हो सकती है।

एलडीएल कोलेस्ट्रॉल गंदा और अनहेल्दी होता है। इसका लेवल बहुत ज्यादा बढ़ने पर नसें बंद हो जाती हैं और हार्ट अटैक का खतरा मंडराने लगता है। अब इसे कम करने वाले इंजेक्शन को जल्द ही उपलब्ध करवाया जाएगा।

हाई कोलेस्ट्रॉल नसों का दुश्मन है, यह इनके अंदर चिपककर ब्लॉकेज बना देता है। गलत तरीके से खाने और जिंदगी जीने की वजह से लोगों में इसकी समस्या बढ़ती जा रही है। हार्ट अटैक के ज्यादा मामले दिखने के पीछे भी यह एक वजह है। लेकिन अब आपको इसे कम करने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए अभी तक स्टैटिन दवा का ज्यादा उपयोग किया जाता है। मगर टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक नए ट्रीटमेंट पर अध्ययन चल रहा है। इसे यूएस और यूके में दो साल पहले ही मान्यता मिल चुकी है। भारत में अगले कुछ हफ्तों में उपलब्ध हो जाएगा।

साल में दो बार लगाना पड़ेगा इंजेक्शन
हाई कोलेस्ट्रॉल के इस इलाज के लिए Inclisiran इंजेक्शन को साल में दो बार लगाया जाएगा। दोनों के बीच 6 महीने का अंतराल होना जरूरी है। इसके असर को देखने के लिए अध्ययनकर्ता चार साल तक प्रतिभागियों पर निगरानी रखेंगे। जिसमें उन्हें करीब 6 से 8 इंजेक्शन लगाए जाएंगे।

हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी खत्म?
कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रमुख डॉ. अजय महाजन ने कहा, हम ये जानते हैं कि इस इंजेक्शन से गंदे कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है। लेकिन अभी इसके बारे में अध्ययन किया जा रहा है कि यह हार्ट अटैक और स्ट्रोक से भी बचाता है क्या? दोनों खतरनाक बीमारियों का प्रमुख कारण कोलेस्ट्रॉल माना जाता है।

ऐसे काम करता है इंजेक्शन
सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कि यह इंजेक्शन लिवर में PCSK9 प्रोटीन को बनने से रोकता है। जिससे कोलेस्ट्रॉल लेवल नीचे गिरने लगता है। बता दें कि शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल का बड़ा हिस्सा लिवर के द्वारा बनाया जाता है। इसके अलावा फैट वाली चीजें खाने से भी यह बढ़ता है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बड़े काम की हैं ये आयुर्वेदिक दवाएं, हर घर में होनी चाहिए इनके लिए जगह

बीमारी के लक्षणों की सही पहचान कर ली जाए, तो आयुर्वेदिक दवा जादू है, वरना बेकार। आयुर्वेदाचार्य के मुताबिक आयुर्वेद में हर समस्या का इलाज है, इसलिए घर में पांच चीजों का होना बहुत जरूरी है। रोग हमारे जीवन का हिस्सा बन गए हैं और दवा हमारे ड्रॉवर्स का। किसी भी बीमारी को ठीक करना हो, तो हम दवा का सेवन कर लेते हैं। एलोपैथी दवाएं बहुत जल्दी अपना असर दिखाती हैं और समस्या को चुटकियों में ठीक भी कर देती हैं। लेकिन पिछले दो से तीन सालों में लोगों ने आयुर्वेदिक उपचार पर भी खूब भरोसा जताया है। आयुर्वेद एक भारतीय प्राचीन चिकित्सा है। रोगों को ठीक करने के लिए इसमें दवा के बजाय जड़ी बूटियों का इस्तेमाल किया जाता है। चूंकि आयुर्वेद उपचार काफी प्रभावी है और इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है, इसलिए दुनियाभर में आयुर्वेदिक दवाएं काफी पॉपुलर हो रही हैं। नासिक की आयुर्वेदाचार्य डॉ. सोनल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर हुए कुछ पांच आयुर्वेदिक चीजों के बारे में बताया है। उनके अनुसार, हर किसी के घर में ये 5 चीजें जरूर होनी चाहिए। अगर आपको आयुर्वेदिक उपचार पर यकीन है, तो घर में अभ्यंग तेल जरूर लाकर रखें। नहाने से 15 मिनट पहले शरीर पर यह आयुर्वेदिक तेल को लगाते हैं, तो आपको मॉइस्चराइजर की जरूरत नहीं पड़ेगी।

शरीर को नासूर से भरेगी इस मिनरल की कमी, औंधे मुंह गिर पड़ेगा इम्यून सिस्टम

शरीर का इम्यून सिस्टम घावों को भरने का काम करता है। जब यह कमजोर हो जाता है तो छोटे से छोटा जख्म भी ठीक नहीं होता। धीरे-धीरे उसमें मवाद भर सकती है और नासूर बन सकता है। कुछ विटामिन और मिनरल इम्यूनिटी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, जिनमें से जिंक बहुत अहम है। जिंक की कमी से रोग? इस मिनरल का काम इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाना, जख्मों को ठीक करना, ब्लड क्लॉट बनाना, थायराइड का कामकाज ठीक रखना और स्वाद व सूंघने की क्षमता को सही रखना होता है। जब यह कम होने लगता है तो इन सभी कामों में दिक्कत आने लगती है। कुछ खाद्य पदार्थों को खाकर इसकी कमी पूरी की जा सकती है। दालों का सेवन इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है। इसे खाने से जिंक की अच्छी मात्रा मिल जाती है और शरीर घावों को अच्छे तरीके से भरने लगता है। इन्हें खाने से पहले अच्छी तरह भिगोना चाहिए। मूंग की दाल में जिंक डेफिशिएंसी दूर करने लायक पूरी ताकत होती है। कद्दू के बीज खाकर शरीर की कई तरह की कमजोरी दूर की जा सकती है।

थुलथुला पेट पिचका देंगे ये उपाय, देखते-देखते बन जाएगी फौलादी बॉडी

थुलथुले बदन से छुटकारा पाकर तगड़ी बॉडी पाना भला कौन नहीं चाहता है। आपने कभी सोचा है कि मोटापा कम करने के लिए क्या करना चाहिए? अगर आप सोच रहे हैं कि जिम में घंटे पसीने बहाकर या भारी-भारी मशीनें चालाकर आप वजन कम कर सकते हैं या तगड़ी बॉडी के मालिक बन सकते हैं, तो आप गलत हैं। वास्तव में वजन कम करने और हेल्दी एंड फिट बॉडी पाने के लिए जितनी जरूरत एक्सरसाइज की है, उससे कहीं ज्यादा जरूरत हेल्दी डाइट लेने की है। अपने हर भोजन में प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करें। दिन भर में कई बार प्रोटीन खाना फायदेमंद है क्योंकि इससे आपके शरीर को पूरे दिन के कामकाज के लिए एनर्जी मिलती है। प्रोटीन मसल्स ग्रोथ और रिपेयर के लिए जरूरी है। नाश्ते में सॉसेज, अंडे, बेकन और बीन्स आदि शामिल करें। इसके अलावा लंच और डिनर में भी हाई क्वालिटी वाले प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर फूड्स शामिल करें। अपने दोपहर के खाने में अलग-अलग रंग के फल और सब्जियों की एक से दो सर्विंग और जोड़ने के कोशिश करें। विभिन्न रंग के फल-सब्जियों के सेवन से आपको भरपूर मात्रा में फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स मिल सकते हैं, जो वजन कम करने और मसल्स ग्रोथ के लिए जरूरी हैं।

खट्टी डकार-सीने में जलन से तुरंत राहत देंगी ये चीजें

अगर आपको हमेशा एसिडिटी या सीने में जलन की तकलीफ रहती है, तो आपको इस समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सीने में होने वाली जलन पेट के एसिड के गले की ओर बढ़ने (एसिड रिफ्लक्स) के कारण होती है। यदि ऐसा होता रहता है, तो इसे गैस्ट्रो-ओसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज कहा जाता है।

एसिड रिफ्लक्स के क्या लक्षण हैं?
ऐसा होने पर आपको सीने में जलन, छाती के बीच में जलन, मुंह में खट्टा पानी आना, खांसी या बार-बार हिचकी आना, कर्कश आवाज, बदबूदार सांस, सूजन और बीमार महसूस करना आदि जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। खाने के बाद, लेटते समय और झुकते समय लक्षण अक्सर बदतर हो जाते हैं। आयुर्वेद डॉक्टर निजिला एचआर आपको कुछ खाद्य पदार्थों के बारे में बता रही हैं, जो पेट में बनने वाले इस तेजाब को कम कर सकते हैं और आपको एसिड रिफ्लक्स और एसिडिटी सहित पेट की अन्य समस्याओं से निपटने में मदद मिल सकती है।

गेहूं: एसिड रिफ्लक्स वाले लोगों के लिए सबसे अच्छी रोटी वह है जिसमें साबुत गेहूं या अन्य साबुत अनाज शामिल हों। साबुत अनाज फाइबर से भरपूर होते हैं और पाचन में मदद करते हैं, जिससे सीने में जलन कम हो सकती है।

ब्राउन राइसः ब्राउन राइस एक व्होल ग्रेन फूड है, जो बॉडी को

एल्कलाइन भी बनाता है। इसमें आवश्यक विटामिन और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो अन्नप्रणाली की मांसपेशियों को आराम देने और एसिड रिफ्लक्स को रोकने में मदद करते हैं।

मूंग की दालः मूंग की दाल फाइबर से भरपूर होती है और शरीर की पाचन दर को बढ़ाती है। यह चयापचय दर को बढ़ाने के लिए भी जिम्मेदार है। फाइबर मल को नरम बनाकर निकासी को आसान बनाता है। इसके सेवन से अपच और एसिडिटी काफी हद तक कम हो जाती है।

मिश्रीः 1/2 छोटा मिश्री चम्मच लें और इसे एक चम्मच सौंफ के बीज के साथ मिलाएं। इस मिश्रण का दिन में दो बार भोजन के बाद सेवन करने से आपको फायदा होगा। ये मैग्नीशियम और पोटेशियम से भरपूर होते हैं, जो पाचन में सुधार करते हैं और इसलिए एसिडिटी से राहत दिलाते हैं।

काली किशमिश
काली किशमिश पाचन में सुधार करने में सहायक है। इसे आप अपच की चिंता किए बिना खा सकते हैं। आपको एक गिलास पानी में 10-15 किशमिश रात भर भिगोकर रखनी है। अगली सुबह आप पानी को छानकर खाली पेट पी सकते हैं।

गुलकंदः बस एक चम्मच गुलकंद को पानी में मिलाएं और मुंह में रखकर चबाएं। एसिडिटी और इस तरह की अन्य समस्याओं से राहत पाने के लिए आप दूध में गुलकंद डालकर पी सकते हैं।

यह चीजें भी आएंगी काम
अगर आप एसिडिटी के अलावा पेट की अन्य समस्याओं से पीड़ित हैं, तो आपको इन चीजों के अलावा अपने खाने में अनार, ड्राई फ्रूट्स, घी, आंवला, शकरकंद, कद्दू, सफेद कद्दू, तरबूज, अमरूद, करेला, नारियल पानी, केला, धनिया के बीज और सौंफ के बीज आदि को शामिल करना चाहिए।

रोहित-विराट को भी हुआ फायदा

बैटिंग टेस्ट रैंकिंग में विराट कोहली ने 3 स्थान छलांग लगाकर छठे स्थान पर जगह बनाई, जबकि कप्तान रोहित शर्मा की टॉप 10 में वापसी हुई है। रोहित को 4 स्थान का फायदा हुआ है। बता दें कि केपटाउन टेस्ट में किंग कोहली ने 46 रन और रोहित ने 39 और नाबाद 16 रन बनाए थे। इनके अलावा साउथ अफ्रीका के ओपनर एडन मार्करम की टेस्ट रैंकिंग में टॉप 20 में एंट्री हुई है, जिन्होंने दूसरी पारी में भारत के खिलाफ शानदार संचुरी जमाई थी।

केपटाउन टेस्ट के बाद चमके मोहम्मद सिराज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज ड्रॉ पर खत्म हुई। केपटाउन टेस्ट में भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। केपटाउन टेस्ट में मिली जीत के बाद आईसीसी ने हाल ही में मेंस टेस्ट रैंकिंग जारी की। टेस्ट रैंकिंग में मोहम्मद सिराज ने जबरदस्त छलांग लगाई है। सिराज के साथ ही विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। दरअसल, साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए केपटाउन टेस्ट में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में 6 विकेट झटके थे और साउथ अफ्रीका की टीम को 55 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया था। इस शानदार परफॉर्मेंस का मोहम्मद सिराज को तगड़ा फायदा हुआ है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल कर ली है। सिराज ने 13 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 17वां स्थान हासिल कर लिया है। सिराज के पास 661 रेटिंग अंक हो गए हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच मिस कर सकते है सूर्यकुमार

क्रिकेट

17वें सीजन से पहले मुंबई इंडियंस की बढ़ गई परेशानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आईपीएल के 17वें सीजन से पहले मुंबई इंडियंस की परेशानी बढ़ गई है। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अपनी इंजरी के चलते आईपीएल के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। बता दें कि सूर्या स्पोर्ट्स हर्निया नाम की बीमारी से पीड़ित है। ये बीमारी ज्यादातर एथलीट्स में होती है यानी स्पोर्ट्स पर्सन को होती है। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए करीब से समझते हैं स्पोर्ट्स हर्निया की चोट क्या होती है?

दरअसल, भारतीय टीम के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव स्पोर्ट्स हर्निया जैसी बीमारी से पीड़ित है। बता दें कि स्पोर्ट्स पर्सन को ये बीमारी ज्यादा होती है। इसमें फिजिकल एक्टिविटी, दौड़भाग करने से मांसपेशियों में खिंचाव और जोड़ों पर असर पड़ने लगता है, जिसके कारण वह फट या चोटिल हो जाती है। इस मेडिकल कंडीशन को स्पोर्ट्स हर्निया कहते है।

बता दें कि ये बीमारी काफी ज्यादा गंभीर होती है, अगर समय पर इसका इलाज नहीं कराए तो काफी दिक्कत हो सकती है। यह स्ट्रेसफुल एथलेटिक्स को होती है। हाल ही में ये बीमारी सूर्या को भी हो गई है। अब सूर्या जल्द ही इसका ऑपरेशन कराने वाले हैं, जिसकी वजह से वह कुछ समय तक मैदान पर नजर नहीं आएंगे।

स्पोर्ट्स हर्निया पेट के निचले हिस्से मे होता है। स्पोर्ट्स हर्निया चोट लगने के कारण होता है। इसके शुरुआती लक्षण में सीने में जलन होने लगता है और पूरे शरीर में दर्द होता है।

बता दें कि भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल भी साल 2022 के दौरान स्पोर्ट्स हर्निया से पीड़ित हुए थे। उस साल जुलाई में जर्मनी में उनकी सर्जरी हुई थी। चोट के कारण राहुल आईपीएल के बाद भी कुछ महीनों तक नहीं खेल पाए थे। इस बीच बोर्ड के एक सूत्र ने कहा कि जून में टी20 विश्व कप के साथ, सूर्या को ठीक से ठीक होने के लिए पूरा समय दिया जाएगा। वह टी20 विश्व कप में भारत की संभावनाओं के लिए अहम है।

पहले बैटिंग या फील्डिंग का फैसला रनों की बरसात होने की उम्मीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मोहाली। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मुकाबला मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम पर होगा। इब्राहिम जादरान की कप्तानी में दौरे पर आई अफगान टीम के लिए भारत को चुनौती देना आसान नहीं रहने वाला है।

टी20 क्रिकेट में टॉस काफी अहम हो जाता है। टॉस जीतने के बाद गलत फैसला मैच के नतीजे पर असर डाल सकती है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल है कि मोहाली में टॉस जीतने वाला कप्तान

■ टी20 में टॉस काफी अहम, दो बार चेज हो चुके 200 के टारगेट

क्या करेगा? यहां के रिकॉर्ड को देखें तो रोहित शर्मा या इब्राहिम जादरान टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी का फैसला ही करेंगे। इस मैदान पर लक्ष्य हासिल करना आसान है। यहां हुए पिछले तीन टी20 इंटरनेशनल मैच में पहले बैटिंग करने वाली टीम को हार मिली है। दूसरी पारी के दौरान ओस की संभावना भी है।

इस मैदान पर अभी तक दो बार 200 का टारगेट चेज हो चुका है। 2009 में 206 रन बनाने के बाद श्रीलंका की टीम भारत के खिलाफ हार गई थी। 2022 में 208 रन बनाकर भी भारत श्रीलंका के खिलाफ नहीं जीत पाया था। यहां अभी तक 6 टी20 मुकाबले हुए हैं और 7 बार 170 या उससे ज्यादा स्कोर बना है। ऐसे में साफ है कि पिच पर एक बार फिर बड़े रन देखने को मिलने वाले हैं।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें: भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा संजू सैमसन, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

अफगानिस्तानः इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, इकराम अलीखिल, हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजल हक फारूकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नाईब, राशिद खान।

रोहित के निशाने पर होगा एमएस धोनी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए भारत की टी20 टीम में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हुई है। लंबे समय बाद रोहित और विराट कोहली टी20 मैच खेलते हुए नजर आएंगे। इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा की निगाहें भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम के वर्ल्ड रिकॉर्ड पर होगी। आइए जानते हैं इस आर्टिकल के जरिए इस रिकॉर्ड के बारे में विस्तार से।

दरअसल, भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए रोहित शर्मा ने कुल 51 टी20 मैचों में से 39 मैचों में भारत को जीत दिलाई है, जबकि एमएस धोनी ने 72 मैचों में से 42 टी20 मैचों में बतौर कप्तान भारत को जीत का स्वाद चखाया। अगर भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप करने में सफल हो जाती है, तो रोहित शर्मा एमएस धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

न्यूज डायरी

मोईन अली ने चुने भारत के ऑलटाइम टॉप-5 क्रिकेटर्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड टीम के दिग्गज ऑलराउंडर मोईन अली ने भारत के ऑलटाइम टॉप-5 क्रिकेटर्स का चयन किया है। मोईन अली ने भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को नंबर-1 पर रखा है। बता दें कि मोईन आईपीएल में पिछले काफी समय से सीएसके टीम का हिस्सा है और उन्होंने सीएसके के कप्तान एमएस धोनी को भारत के ऑलटाइम टॉप-5 क्रिकेटर्स में नंबर-1 बताया है। हैरान कर देने वाली बात यह है कि मोईन अली ने जिन खिलाड़ियों का चयन किया है, उनमें रोहित शर्मा का नाम शामिल नहीं है और एक भी गेंदबाज को नहीं चुना है। दरअसल, मोईन अली ने भारत के टॉप 5 क्रिकेटर्स का चुनाव किया, जिसमें उन्होंने बल्लेबाजों को ही चुना। सबसे पहले मोईन अली ने भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का चयन किया और उसके बाद विराट कोहली को दूसरे नंबर पर रखा। सचिन तेंदुलकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा मोईन अली ने आगे कहा कि मेरे पसंदीदा बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग है। इसके बाद युवराज सिंह को आखिरी नंबर पर रखता हूं, जिनसे लोग मेरी थोड़ी बहुत तुलना करते थे। जब वह फॉर्म में होते थे तो वह बेस्ट प्लेयर टू वॉच होते थे। उनकी फॉर्म से लेकर बैट स्विंग करना मैंने उन्हें काफी बार कॉपी करने का भी सोचा।

वाह! क्या हॉट वाइफ है... फैन के कॉमेंट पर भड़के वसीम अकरम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह फैंस को जवाब भी देते हैं। कई बार कॉमेंट पसंद नहीं आता है तो लताड़ लगाने में भी पीछे नहीं हटते। कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन वाइफ शनायरा के साथ एक तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट पर एक फैन ने एक कॉमेंट किया, जिसे देखकर वसीम अकरम ने खूब लताड़ लगाई है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने कुछ दिन पहले अपनी पत्नी के साथ एक तस्वीर अपलोड की थी। अकरम ने कैप्शन में लिखा- यहां एक बेहतर साल की उम्मीद है। आपको और आपके परिवार को 2024 के लिए प्यार, सुरक्षा और समृद्धि की शुभकामनाएं, मेरे परिवार की ओर से आपको शुभकामनाएं। हालांकि, एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, उफ वह बहुत हॉटवाइफ है। बता दें कि यह वसीम की दूसरी शादी है। उनकी पहली वाइफ की डेथ हो चुकी है।

स्विंग के सुल्तान कहे जाने वाले अकरम ने यूजर को समझाने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। भड़के अकरम ने फैन के कॉमेंट पर जवाब दिया- आपको लगता है कि यह कहना उचित है? मैं आपके माता-पिता से मिलना चाहता हूं और उन्हें बताना चाहता हूं कि यह किस तरह का काम किया है। अकरम उन मशहूर हस्तियों में से हैं जो ट्रोल्स की आलोचना करने या उन्हें सबक सिखाने से कभी नहीं कतराते।

एक चोट ने करियर कर दिया तबाह, 27 वर्ष की उम्र में लेना पड़ा क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में इस सप्ताह 2 की क्रिकेट खेलते समय मौत हो गई। एक के सिर पर गेंद लगी थी तो दूसरा नोएडा में रन लेने के दौरान गिरा और फिर वह उठा नहीं सका। इन खबरों से हर कोई हैरान है। हालांकि, यह पहली बार ऐसा नहीं हुआ है कि क्रिकेट मैदान पर लगी चोट से किसी की मौत हुई है। ऑस्ट्रेलिया के फिलिप ह्यूज की मौत भला किसे भूल सकती है। कई ऐसे क्रिकेटर हुए, जिन्हें फील्ड पर लगी चोट के कारण रिटायरमेंट के लिए मजबूर होना पड़ा। उस लिस्ट में मार्क बाउचर सहित तमाम खिलाड़ी हैं। एक ऐसे ही खिलाड़ी क्रेग कीस्वेटर भी हैं। 2010 में इंग्लैंड की पहली टी20 विश्व कप खिताब जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्रेग विश्व कप धुरंधर गेंदबाजों के लिए काल साबित हुए थे। उन्होंने सात मैचों में 222 रन ठोके थे, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में खेली गई 63 रनों की धांसू पारी भी शामिल थी। उन्हें मजबूरन 27 साल की उम्र में खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेना पड़ा। 2010 टी20 विश्व कप के हीरो ने कहा था कि आंख की चोट से गुजरने के बाद वह पहले वाले खिलाड़ी नहीं रहे। इंग्लैंड का यह दिग्गज खिलाड़ी अपने छोटे से करियर के दौरान केवल 71 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेल सका। समरसेट और इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज क्रेग कीस्वेटर ने आंख की चोट के कारण क्रिकेट से तत्काल संन्यास की घोषणा की तो हर कोई हैरान रह गया।

चंद्रेश्वर पब्लिक स्कूल शीशम झाड़ी में सत्संग का आयोजन होते हुए।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने प्रदान की वित्तीय स्वीकृति

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के ग्राम पंचायत बजौक के कानबोर तोक, ग्राम पंचायत पोथ, ग्राम पंचायत पचनई के देवकुण्डा तोक, ग्राम पंचायत तलाड़ी के भाट पिनाना, ग्राम पंचायत मंच के मठकाण्डा तोक, ग्राम पंचायत बकोड़ा के अकेरी तोक में विद्युत लाईन की व्यवस्था किये जाने हेतु 01 करोड़ धनराशि की स्वीकृति प्रदान की है।

ईपीएस पेंशन बढ़ाने को आंदोलन की तैयारी

संवाददाता देहरादून। राष्ट्रीय संघर्ष समिति ईपीएस 95 ने ईपीएस पेंशन को न्यूनतम 7500 रुपये किए जाने की मांग को लेकर दबाव तेज कर दिया है। न्यूनतम पेंशन बढ़ाने के साथ ही नियमित रूप से महंगाई भत्ता देने की मांग की जा रही है। 12 जनवरी को प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेज कर लोकसभा चुनाव से पहले कर्मचारियों को लाभ देने को दबाव बनाया जाएगा। प्रान्तीय अध्यक्ष सुरेश डंगवाल ने कहा कि निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद बेहद न्यूनतम पेंशन मिल रही है। किसी को एक हजार तो किसी को दो हजार ही पेंशन मिल रही है। इस बेहद कम पेंशन से किसी भी पेंशनर्स का घर चलने वाला नहीं है। महंगाई को देखते हुए न्यूनतम पेंशन को 7500 रुपये किया जाए।

फड़ ठेली वालों के समर्थन में सचिवालय कूच करेंगे

संवाददाता देहरादून। विभिन्न जनसंगठनों और राजनैतिक दलों से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता गुरुवार को फड़ ठेली लगाने वाले व्यापारियों के समर्थन में सचिवालय कूच करेंगे। सीपीआईएम देहरादून के सचिव अनंत आकाश ने कहा कि इस दौरान नगर निगम और जिला प्रशासन के द्वारा की जा रही कार्रवाई का विरोध किया जाएगा। बुधवार को हुई बैठक में सीपीएम से कृष्ण गुनियाल, सीटू से लेखराज, भगवंत पयाल, एसएस नेगी, हरजिंदर सिंह, सपा के अतुल शर्मा, नवनीत गुसाईं, एटक के अशोक शर्मा, एसएस रजवार आदि मौजूद थे।

रायपुर ए और बालाजी ब्वॉयज अंतिम चार में पहुंचे

संवाददाता देहरादून। 54वें अमर शहीद खड़क बहादुर बिष्ट मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में रायपुर ए और बालाजी ब्वॉयज ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले सेमीफाइनल में सिटी यंग्स और प्रेरणा एफसी भी अपनी जगह बना चुकी हैं। एसजीआरआर इंटर कॉलेज नेहरुग्राम में चल रही प्रतियोगिता में बुधवार को रायपुर ए व आरएफसी के बीच खेले गए तीसरे क्वार्टर फाइनल में पहला हाफ गोल रहित रहा।

सरकार कर्मचारियों के साथ कर रही है धोखा

आंदोलन

■ पुरानी पेंशन को लेकर कर्मचारियों का आन्दोलन जारी, सैकड़ों कर्मचारी उतरे सड़क पर

संवाददाता

देहरादून। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली की मांग को लेकर रक्षा क्षेत्र से जुड़े सरकारी कर्मचारी लगातार आन्दोलनरत हैं। वर्तमान में आयुध निर्माणी कर्मचारी भी चार दिनों की क्रमिक भूखहड़ताल पर बैठे हैं। हड़ताल के तीसरे दिन बुधवार को कर्मचारियों ने आयुध निर्माणी के मुख्यद्वार के समीप जमकर प्रदर्शन किया ओर नयी पेशन स्कीम को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की। इस दौरान कर्मचारियों के समर्थन में आज इंटक के प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट भी हड़ताली कर्मचारियों के बीच पहुंचे और उनको समर्थन दिया।

कर्मचारियों की यह हड़ताल मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के बजाय पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

हड़ताल को सम्बोधित करते हुए विष्ट ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के साथ धोखा कर रही है। पहले तो जीवनभर उनसे सेवा ली गई, उसके बाद जब सेवानिवृत्ति हुए, बुढ़ापे का समय आया तो उन्हें ऐसे ही छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि जब से पुरानी पेंशन योजना को बंद किया गया उसके बाद से जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उन्हें महज हजार पंद्रह सो रूपए की पेंशन मिल रही है, जो जीवन-यापन करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि एनपीएस में कर्मचारियों को पेंशन का लाभ पेंशन निधि में योगदान करने के बाद ही मिल पाता है जबकि इसके पहले किसी बिना किसी अतिरिक्त योगदान के कर्मचारियों को सरकार से पेंशन का लाभ मिल जाता था। उन्होंने कहा कि वर्तमान पेंशन स्कीम मार्केट लिंक्ड पेंशन स्कीम होने के कारण एनपीएस के तहत आने वाले कर्मचारियें अपनी पेंशन की सुरक्षा को लेकर शंका बनी रहती है क्योंकि जो पैसे आपके एनपीएस खातों में जमा होते हैं सरकार उसका इस्तेमाल निवेश बाजार में करती है जिससे होने वाला नुकसान या फायदे का असर सीधे-सीधे आपके एनपीएस खातों पर ही पड़ता है।

इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्कीम अगर अच्छी है तो सांसद, विधायक को स्कीम में शामिल क्यों नहीं किया गया। उनको क्यों पुरानी पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि एनपीएस युवाओं के लिए अभिशाप है क्योंकि उन्हें इस स्कीम का लाभ नहीं मिलेगा। कर्मचारी नेताओं ने अपने सम्बोधन में कहा कि एक जनवरी 2004 के बाद से जो भी भर्ती हुई है। उन्हें न्यू पेंशन स्कीम के तहत रखा गया है। इसका हम लोग विरोध कर रहे हैं। गारंटेड पेंशन स्कीम की मांग कर रहे हैं, जो पहले थी। पुरानी पेंशन स्कीम के अंदर जब आदमी रिटायर होता है तो उसकी बेसिक सैलरी का आधा प्लस डीए मिलता है। यदि किसी की सैलरी एक लाख रुपये है तो 50 हजार रुपये पेंशन मिलती है। साथ में डीए भी मिलता है। कर्मचारियों ने कहा की उन्हे बच्चों के भविष्य की चिंता सता रही है जो कि एनपीएस के दायरे में आ रहे हैं।

इस अवसर पर कलीम अहमद, अजय पाल, अशोक शर्मा, नीरज शर्मा, अनिल उनियाल, सुनील कुमार सुमन, सुभाष चन्द, तरुण उपाध्याय, सुनील, योगेश सैनी, हारुन अशोक कुमार, दीपक पंत, अजय कुमार, मौहम्मद हारून, समेत सैकड़ों कर्मचारी थे।

कर्मचारियों का बुढ़ापा हो रहा खराब

नई पेंशन स्कीम में कर्मचारियों को तीन हजार रुपये पेंशन मिलेगी। इससे कर्मचारियों का बुढ़ापा खराब हो रहा है। हमारी मांग पुरानी स्कीम को वापस करने की है। जिससे कि हम अपना बुढ़ापा अच्छे से काट सकेंगे। पेंशन होगी तो आत्मसम्मान और स्वाभिमान से जी सकेंगे। नई पेंशन स्कीम में तीन हजार रुपये पेंशन से घर परिवार नहीं चल सकता है।

हमारा समाज हो रहा और अधिक सुदृढ़ और विकसित: सीएम

उत्साह

■ रूद्रपुर में आयोजित सीएस के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गांधी पार्क रूद्रपुर में आयोजित नारी शक्ति वन्दन महोत्सव और सरस मेले का शुभारम्भ किया। गल्लामण्डी से गांधी पार्क तक आयोजित रोड शो में उमड़े जन सैलाब में लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। गल्ला मंडी से गांधी पार्क तक आयोजित रोड शो में ऊधमसिंह नगर में देश की विभिन्न संस्कृतियों की विविधता देखने को मिली। इसी वजह से ऊधम सिंह नगर को मिनी भारत भी कहा जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊधमसिंह नगर जिला एक प्रकार से पूरे भारत की संस्कृतियों का गुलदस्ता है जो अनेकता में एकता की मिसाल एवं विभिन्न संस्कृतियों को अपने में समाहित करते हुए विभिन्न संस्कृतियों के समागम को दर्शाता है। यह जनपद विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहरों के समावेश के साथ निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। यहां की नारी शक्ति स्वयं में सशक्त है। जिससे हमारा समाज और अधिक सुदृढ़ और विकसित हो रहा है।

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम स्थल के मुख्य गेट पर पांच कन्याओं द्वारा तिलक और पुष्प वर्षा के साथ स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग के स्टॉल पर गिर प्रजाति की गौ माता का पूजन कर जनपदवासियों की खुशहाली, बेहतर स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। स्टॉलों के अवलोकन के दौरान उत्तराखंड राज्य आजीविका मिशन के स्टॉल पर मुख्यमंत्री ने चरखा में कताई कर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा से लाभान्वित लाभार्थियों के साथ सीधा संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने मिट्टी के बर्तन और तुलसीमाला स्टॉल पर महिलाओं के इस स्वरोजगारपरक गतिविधि की सराहना करते हुए स्वयं भी इस पर अपना हाथ आजमाया।

बालिका स्पोर्ट्स कॉलेज से निखरेगी छात्राओं की खेल प्रतिभा: रेखा आर्या

संवाददाता देहरादून। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि लोहाघाट में जल्द ही राज्य के पहले बालिका स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना होगी। इस कॉलेज के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है और जल्द मुख्यमंत्री धामी के द्वारा भूमि पूजन किया जाएगा। बुधवार को मीडिया को जारी बयान में खेल मंत्री ने कहा कि लोहाघाट में बालिका स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना से छात्राओं की खेल प्रतिभा निखरेगी और राज्य में खेल सुविधाओं का विकास होगा। उन्होंने कहा कि इस कॉलेज में सरकार की ओर से सभी उच्चस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस कॉलेज की स्थापना देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की तर्ज पर की जा रही है। यहां पर खेल सुविधाओं के साथ ही बेटियों के लिए आवासीय सुविधा भी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल सुविधाओं के विकास के लिए सरकार गंभीर प्रयास कर रही है।

In a Digital World Why
To wait for a Howker
Visit Us at https://www.page3news.co.
Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के. प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।